



५९६८७

०५.०५.८८

०५.०५.८८

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

६. १४]  
No. 14]

नई दिल्ली, शनिवार, मई ९, १९८७/वैशाख १९, १९०९

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1987/VAISAKHA 19, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(लंब राज्य के बाहर प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेदन और अधिसूचनाएं  
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union

## भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, ८ प्रैल, १९८७

प्रावेश

आ. अ. ५५:—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (२) में यथा विनिर्दिष्ट मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए सावारण निर्वाचन, १९८५ के लिए जो स्तम्भ (३) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-सेत्र से हुआ है, स्तम्भ (४) में उसके स.मने विनिर्दिष्ट निर्वाचन सभामें क.ले प्रभारी, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, १९५१ तथा तदीन वराए गए नियमों द्वारा उक्त सारणी के स्तम्भ (५) में यथा उपदर्शित रूप में अपने निर्वाचन वर्षों का लेखा शायिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अम्बियों ने सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण यथा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उसके द्वारा यिए गए आम्योजनाएँ पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या आम्योजना नहीं है;

इति, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिकारियम की आधा १०-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (४) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा यथा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

## सारणी

क्रम	निर्वाचन विधिपूर्ण	निर्वाचन-सेत्र की क्रम सं. तथा नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अधिकारी का नाम व पता	निरहित का कारण
पं.		३	४	५
1	मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, १९८५	८५-सोहागपुर	श्री मनीराम खाण्डेकर, धनपुरी, जिला शहडोल, म.प्र.	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दायिल नहीं किया।
2.	—बही—	१७७-पैहर (म.ज.जा.)	श्री विष्णुदास, ग्राम जम्मा, पो. पर्योला, तहसील मंडोली, जिला सीधी (म.प्र.)	—बही—

1	2	3	4	5
3. मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए नामांकन नियोजन, 1985	218 अमरवाडा (अ. ज. ना.)		श्री छिद्दी इरपाची, मृ. कारपाठा, पो. सूरक्षाखाड़ा, तहसील अमरवाडा, गिला छिन्दवाडा, मध्य प्रदेश।	नियोजन व्यव पर काई भ. सेवा दायित नहीं किया।
4. यही—	241-देवसिया		श्री शीकल ग्राली, रेतपाट, गली नं. 1, म. न. 17, सोपाल, मध्य प्रदेश।	—वही—
5. — यही—	244-करेमी		श्री जगदीश प्रसाद पटेल, मास बंडराज, पास्ट मगरवा तहसील बरेली, रायसेन, मध्य प्रदेश।	—वही—

[सं. 76प्र.नि.सं./85 (15)]

प्रदेश से,

बलवन्त भिंड, अवर सचिव

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 8th April, 1987

## ORDER

O.N. 55.—Whereas the Election Commission is satisfied that the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the General Election to the Madhya Pradesh Vidhan Sabha, 1985 as specified in column (2) held from the constituencies specified in column (3) against his name have failed to lodge the account of their election expenses as shown in column (5) of the said Table, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representation made by them, if any is satisfied that he had no good reason or justification for said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the person specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

## TABLE

Sl. Particulars of election No.	S. No. and name of Constituency	Name and address of the contesting candidates	Reason of disqualifica- tion	
1	2	3	4	5
1. General Election to the M.P. Legislative Assembly, 1985	85-Sohagpur	Shri Maniram Khandekar Dhanpuri, Distt. Shahdol, (M.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.	
2. —do—	177-Bihar (ST)	Shri Bishnu Das, Vill. Jamua, P.O. Pathrola, Teh. Manjhuli, Distt. Sidhi, (M.P.)	—do—	
3. —do—	218-Amarwada (ST)	Shri Chhiddi Irpachi At. Karapatha, P.O. Surlakhapa, Teh. Amarwada, Distt. Chhindwara, (M.P.)	—do—	

1	2	3	4	5
4	General Election to the M.P. Legislative Assembly, 1985	241-Bersiya	Shri Shaukat Ali, Retghat, Gali No. 1, H.No. 17, Bhopal, (M.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
5.	-d-	244-Bareli	Shri Jagdish Prasad Patel Vill. Khendraj, P.O. Magardha, Teh. Bareli, Raisen (M.P.)	-d-

[No. 76-MP-LA 85(15)]

By Order,  
BALWANT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1987

प्रांदेश

प्र. अ. 56.—निर्वाचन आयोग का समाचार हो गया है कि नीचे की सारणी के सम्बन्ध (2) में यथा विनिर्दिष्ट विधान सभा के निर्वाचन के लिए प्राप्त स्वतंत्र (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, जबकि (4) में उसके सम्बन्ध में विनिर्दिष्ट निर्वाचन घड़ने वाले प्रत्यक्ष अध्यर्थी, योकि प्रतिनिधित्व प्राप्तिक्रियम, 1951 तथा अद्वैत वन्देश गण नियमों द्वारा नामित हुए उपदेशित उपर्याप्त मारणी के स्वतंत्र (5) में यथा उपदेशित रूप में अपने निर्वाचन घटनों के बारे में लेखा गीति से तथा सम्बद्ध के प्राप्तवार्ता और नीति से वाचित करने में अग्रकल्प रहा है;

और उसी अध्यर्थी ने सम्बन्ध मुच्चन, दिए जाने पर भी उन अव्याप्तियों के लिए या तो कोई कारण अव्यक्त करण नहीं दिया है या उसके द्वारा दिए गए अप्पों वोहनों पर, यदि काहे तो, विवर करने के प्राप्तवार्ता विवाचन अध्यर्थी को यह समाचार हो गया है कि उसके पास उसके अपने के लिए कोई अप्पों कारण या यह योजनानुसार है।

अतः प्रद, निर्वाचन अध्याय उसके प्राप्तवाचन की धरत 106 के अनुसार में नीचे की सारणी के स्वतंत्र (4) में विनिर्दिष्ट आकार की गंसद के किसी भी सदन के या किसी ग्राम की विश्वास गति अथवा विद्वान परिषद के सदस्य भुजे जाने और हाजेर के लिए इस प्रांदेश की तरीके से तान वर्ष की कालावधि के विलासित करना है।

संराणी

क्रम	निर्वाचन के विवरण संख्या	निर्वाचित क्षेत्र की जम मंडली और नीम	निर्वाचित लड़ने वाले अध्यर्थी का नाम और जना	निरहंता का कारण
1	2	3	4	5
1.	मुजरात राज्य की विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1985	91-वाटन	श्री गोदी हुमनुल्लाह चिमतवाल, गोलजिरी, पाटन, गुजरात	निर्वाचन व्याया का कोई भी लेखा वाचित नहीं किया

[सं. 76/गुज./85(1)(4. य.)]

प्रांदेश से,  
टी.सी. सिपल, अवर सचिव

New Delhi, the 8th April, 1987

ORDER

O.N. 56.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge any account of his election expenses in the manner and within the time and in the manner as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate has either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representation made by him if any, is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a Member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order:—

## TABLE

S. Particulars of election No.	Sl. No. & Name of the assembly constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification	
1	2	3	4	5
1. General Election to the Legislative Assembly, 1985 (Gujarat State)	91-Patan	Sh. Gandhi Hasmukh Lal Chiman Lal, Galshri, Patan, (Gujarat)	Failed to lodge any account of election expenses	

[No. 76 GJ/85(1)(LA)]

By Order,

T.C. SINGHAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1987

आदेश

आ. अ. 57:—मार्च, 1985 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन में 5 सिक्कटा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित लड़ने वाले अध्यर्थी श्री शिवाजी आर्य, नांद व डाकघर, भेनासौर जिला पश्चिम चम्पारण, विहार को, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा संस्थीन बनाए गए नियमों के द्वारा अपेक्षित, अपने निर्वाचन व्यक्ति लेवा वासिल करने में असफल रहने के कारण उक्त अधिनियम की धारा 10(1) के अंतीम, अपने तारीख 7 अगस्त 1986 के आदेश संख्या 76 विहार वि. स./85 के द्वारा निर्दिष्ट कर दिया गया था।

गौर, उक्त श्री आर्य ने निर्वाचन आयोग के समक्ष अपने निर्वाचन व्यक्ति के साथ एक अर्जी प्रस्तुत की थी जिसमें उम्हें विधि द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यक्ति वा नेत्रों दाकिल करने में असफलता के कारण बताने हुए उन पर अधिरेपित निर्देश की हवाने की ग्राहना की थी;

गौर, श्री आर्य द्वारा दाकिल लिए गए निर्वाचन व्यक्ति के सेवे गौर उनके द्वारा प्रस्तुत अर्जी में बताई गई परिमितियों पर विवार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह मत है कि तारीख, 7 अगस्त 1986 के पिछले वर्षों में संशोधन की आवश्यकता है;

अध: अब, इसका अधिनियम की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करने हुए, निर्वाचन आयोग, श्री शिवाजी आर्य पर तारीख 8 अप्रैल 1987 से अधिरेपित निर्वाचन व्यक्ति द्वारा है।

[सं. विहार-वि. स./5/86]  
एस. श्री. प्रशांत, अवार सचिव

New Delhi, the 8th April, 1987

## ORDER

O.N. 57.—Whetheras Shri Shivaji Arya of Village and P.O. Mainataur, Distt. West Champaran, Bihar, contesting candidate for the General election to the Bihar Legislative Assembly from 5-Sikta Assembly Constituency held in March, 1985, was disqualified by the Election Commission of India vide its order No. 76/BR-LA/85, dated the 7th August, 1986, under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for failure to lodge any account of his election expenses as required by the said Act and Rules made thereunder;

And whereas the said Shri Arya had submitted a petition-cum-account of his election expenses before the Election Commission of India praying for removal of disqualification imposed on him, giving reasons for his failure to lodge the account as required by law;

And whereas the Election Commission having taken into account the circumstances explained in the said petition-cum-account of election expenses filed by Shri Arya is of the view that the earlier order of 7th August, 1986 merits revision;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the said Act, the Election Commission hereby removes the disqualification imposed on Shri Shivaji Arya with effect from 8th April, 1987.

[No. BR-LA/5/85]

By Order,

S. D. PERSHAD, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1987

आ. अ. 58:—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 (1950 वा 43) की धारा 13 क. की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए, मारत निर्वाचन आयोग, संघीय प्रशासन के परामर्श से श्री विजय एस. मदन, आर्य. ए. एस. के स्वान पर श्री के. के. शर्मा, आर्य. ए. एस., कलक्टर व विकास आयुक्त, संघीय प्रशासन के उनके काम-भार सम्पादने वाली तारीख से अगले आदेशों तक संघीय संघ राज्य छोटे के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के स्पष्ट में उत्तद्वारा नामनिर्देशित करता है।

[नं. 154/लक्ष्मीप/87]

पादेश में,

आर. पी. मरला, सचिव

New Delhi, the 16th April, 1987

O.N. 58.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Administration of Lakshadweep hereby nominates Shri K. K. Sharma, IAS, Collector-cum-Development Commissioner in the Union Territory of Lakshadweep as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Lakshadweep with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri Vijay S. Madan.

[No. 154/LKD/87]

By Order,

R. P. BHALLA, Secy.